रणनीतिक प्रदर्शन प्रबंधन पर 5 दिवसीय एफडीपी का एक्सआईएसएस में समापन

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के मानव संसाधन प्रबंधन प्रोग्राम एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के एआईसीटीई अभातशिप प्रशिक्षण एवं अधिगम (अटल) अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से ह्यास्ट्राटेजिक मैनेजमेंट परफॉर्मेंस ('रणनीतिक प्रबंधन प्रदर्शन)' पर पांच-दिवसीय फैकल्टी डेव्लपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का समापन शनिवार को हुआ। इस कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों के साथ-साथ शिक्षाविदों के विभिन्न वक्ता शामिल हुए थे। ममता रानी अग्रवाल, सलाहकार-1, अटल अकादमी ने एफडीपी के अंतिम दिन प्रतिभागियों को समापन भाषण के दौरान कहा, महामारी ने कौशल आपातकाल को बढ़ा दिया है जिसका हम कॉपोर्रेट जगत और शिक्षाविदों दोनों में सामना कर रहे हैं। सीखना अपने आप में एक कौशल है और संरचित शिक्षा करियर की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। हम में से प्रत्येक को एक स्थायी मानसिकता विकसित करने और उसे चलाने के लिए सहज ज्ञान युक्त सीखने वाला बनना चाहिए। तकनीकी और फीडबैक सत्रों का समापन डॉ रमाकांत अग्रवाल, प्रमुख, एचआरएम कार्यक्रम, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। ऋछढ का समन्वयन प्रोफेसर श्यामल गोम्स, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया था, जिसमें एक्सआईएसएस के संकाय और देश भर के प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

PRESS : FREEDOM FIGHTER

सीखना अपने आप में एक कौशल है : ममता

रांची. एक्सआइएसएस के मानव संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीइ) की अटल अकादमी, नयी दिल्ली के सहयोग से आयोजित 'रणनीतिक प्रबंधन प्रदर्शन' पर आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन शनिवार को हुआ. अंतिम दिन, अटल अकादमी की सलाहकार ममता रानी अग्रवाल ने कहा कि महामारी ने कौशल आपातकाल को बढ़ा दिया है. उन्होंने कहा कि सीखना अपने आप में एक कौशल है. डॉ कामाक्षी रमन, कार्यकारी निदेशक, एमटीएल, सेल ने प्रदर्शन प्रबंधन में मानव संसाधन पेशेवरों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारी प्रदर्शन और संगठनात्मक प्राथमिकताओं के बीच प्रभावी संबंध सुनिश्चित करने पर बल दिया. मौके पर एक्सआइएसएस के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा, श्यामल गोम्स व डॉ रमाकांत अग्रवाल ने भी विचार रखे.

PRESS : PRABHAT KHABAR

महामारी और आर्थिक चुनौतियों के खिलाफ स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट परफॉर्मेंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी : डॉ जोसेफ एम कुजूर

एक्सआईएसएस में स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट प्रबंधन पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

- महामारी के कारण हुए कौशल आपातकाल में इजाफे से कारपोरेट जगत और शिक्षाविद दोनों जूझ रहे हैं
- अटल के एफडीपी कार्यक्रम से पूरे देश के लगभग 30 हजार रिसोर्स पर्सन्स हुए लाभान्वित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) के ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट प्रोग्राम एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग एकेडमी नई दिल्ली के सहयोग से स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट परफॉर्मेंस विषयक पांच-दिवसीय फैकल्टी डेव्लपमेंट प्रोग्राम का समापन शनिवार को हुआ।

अटल एकेडमी की सलाहकार ममता रानी अग्रवाल ने कहा कि महामारी ने कौशल आपातकाल को बढ़ा दिया है, जिसका सामना कॉर्पोरेट जगत और शिक्षाविद दोनो कर रहे हैं। सीखना अपने आप में एक कौशल है और संरचित शिक्षा करियर की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। हममें से प्रत्येक को एक स्थायी मानसिकता विकसित करने और उसे चलाने के लिए सहज ज्ञानयुक्त सीखने वाला बनना चाहिए।

एक्सआईएसएस के डायरेक्टर डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि पूरे देश में विभिन्न फैकल्टी की दक्षता और पढ़ाने की क्षमता के विकास में मदद करने के लिए एआईसीटीई-अटल का आभार व्यक्त करते हुए कहा था कि एआईसीटीई अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर तकनीकी शिक्षा में संरचनात्मक परिवर्तन ला रहा है और अटल द्वारा आयोजित इन विभिन्न एफडीपी के माध्यम से देशभर में अब तक लगभग 30,000 रिसोर्स पर्सन्स लाभान्वित हुए हैं। साथ ही यह भी जानकारी दी कि महामारी और इससे उत्पन्न होनेवाली आर्थिक चुनौतियों के खिलाफ प्रभावी नेतृत्व में स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट परफॉर्मेंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मौके पर डॉ कामाक्षी रमन, रमाकांत अग्रवाल, डॉ प्रदीप केरकेट्टा, प्रोफेसर श्यामल गोम्स आदि मौजूद थे।

खबर मन्त्र Sun, 26 September 2021
https://epaper.dailykhabarmantra.com/c/63364926

PRESS : KHABAR MANTRA

ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान में रणनीतिक प्रदर्शन प्रबंधन पर पांच दिवसीय एफडीपी का समापन

प्रतिनिधि,रांची। ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के मानव संसाधन प्रबंधन प्रोग्राम एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के एआईसीटीई अभातशिप प्रशिक्षण एवं अधिगम (अटल) अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से 'स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट परफॉर्मेंस (%रणनीतिक प्रबंधन प्रदर्शन)% पर पांच-दिवसीय फैकल्टी डेव्लपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का समापन शनिवार को हुआ। इस कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों के साथ-साथ शिक्षाविदों के विभिन्न वक्ता शामिल हुए। समापन अवसर पर

ममता रानी अग्रवाल, सलाहकार-1, अटल अकादमी ने एफडीपी के अंतिम दिन प्रतिभागियों को कहा, महामारी ने कौशल आपातकाल को बढ़ा दिया है जिसका हम कॉर्पोरेट जगत और शिक्षाविदों दोनों में सामना कर रहे हैं। सीखना अपने आप में एक कौशल है और संरचित शिक्षा करियर की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। हम में से प्रत्येक को एक स्थायी मानसिकता विकसित करने और उसे चलाने के लिए सहज ज्ञान युक्त सीखने वाला बनना चाहिए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस ने पूरे देश में विभिन्न फैकल्टी की दक्षता और पढ़ाने की क्षमता में विकास में मदद करने के लिए एआईसीटीई-अटल का आभार व्यक्त किया था। डॉ कुजूर ने कहा था कि एआईसीटीई अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर तकनीकी शिक्षा में संरचनात्मक परिवर्तन ला रहा है और अटल द्वारा आयोजित इन विभिन्न एफडीपी के माध्यम से देश भर में अब तक लगभग 30,000 रिसौर्स पर्सन्स लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने महामारी और इससे उत्पन्न होने वाली आर्थिक चुनौतियों के खिलाफ प्रभावी नेतृत्व में

स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट परफॉर्मेंस ने कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इनकी जानकारी भी साझा की थी। एफडीपी के अंतिम दिन, प्रदर्शन प्रबंधन में मानव संसाधन पेशेवरों की भूमिका पर डॉ कामाक्षी रमन, कार्यकारी निदेशक, एमटीएल, सेल रांची, ने प्रकाश डालते हुए कर्मचारी प्रदर्शन और संगठनात्मक प्राथमिकताओं के बीच प्रभावी संबंध सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया। तकनीकी और फीडबैक सत्रों का समापन डॉ रमाकांत अग्रवाल, प्रमुख, एचआरएम कार्यक्रम, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। FDP का समन्वयन प्रोफेसर श्यामल गोम्स, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया था, जिसमें एक्सआईएसएस के संकाय और देश भर के प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

पाँच-दिवसीय एफडीपी की प्रमुख बातें

पहला दिन-प्रो मेरी बोदरा, एसोसिएट प्रोफेसर, मानव संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम, एक्सआईएसएस ने परिवर्तन के इस मौजूदा माहौल में मानव संसाधन प्रबंधन और रणनीतिक प्रदर्शन प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला था। प्रो श्यामल गोम्स, प्रोफेसर, मानव संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम, एक्सआईएसएस, और इस एफडीपी कार्यक्रम के समन्वयक ने प्रदर्शन प्रबंधन और व्यापार रणनीति के बीच संबंध स्थापित करते हुए जोर दिया कि कैसे प्रदर्शन प्रबंधन हमारे प्रयासों को व्यस्त होने से प्रभावी होने की ओर केंद्रित करता है और संगठन के अंदर और बाहर ग्राहकों के लिए परिणाम प्राप्त करने पर हमारा ध्यान केंद्रित करता है। दूसरा दिन-प्रो मैरी शीला बोदरा ने बताया कि पारंपरिक तकनीकों का व्यावसायिक उद्देश्यों से बहुत कम या कोई संबंध नहीं था,परंतु अभी की आधुनिक मूल्यांकन प्रथाओं ने पारंपरिक तकनीकों के विपरीत संगठनात्मक संदर्भ के साथ संबंध की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव देखा है। प्रो कुमार मोहित सिंग, एसोसिएट प्रोफेसर, मानव संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम, एक्सआईएसएस ने दर्शकों को वांछित संगठनात्मक मानकों के प्रदर्शन के लिए कर्मचारियों के बीच रचनात्मक प्रतिक्रिया को शामिल करने पर जोर दिया। श्री मुसर्रत हुसैन, हेड लीडरशिप एंड फंक्शनल स्कूल, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कहा -मारुति में हम प्रतिभा खरीदने के बजाय प्रतिभा निर्माण में विश्वास करते हैं, यही हमें हमारे प्रतिस्पर्धियों से अलग करता है,। तीसरा दिन-प्रदर्शन प्रबंधन पर एक सत्र का संचालन करते हुए, इमदाद अली, चीफ एचआरएम, टाटा स्टील कलिंगनगर ने महामारी के दौरान प्रदर्शन प्रबंधन के बारे में बात की। आगे बढ़ते हुए, डॉ रश्मा सिन्हा, वीपी एचआरएम, टाटा मेटालिक्स ने एचआर के डिजिटलीकरण के माहौल में प्रदर्शन प्रबंधन प्रणालियों के साथ दर्शकों को प्रबुद्ध किया। उन्होंने कहा वरिष्ठ पदों पर आत्मसंतुष्ट न होने के लिए भेद्यता बहुत महत्वपूर्ण है। श्री मुसरत हुसैन, हेड लीडरशिप एंड फंक्शनल स्कूल द्वारा आयोजित एक अन्य सत्र में, विकास के पथ पर एक संगठन का नेतृत्व करने के लिए नवाचार, कर्मचारी जुड़ाव, ज्ञान प्रबंधन, नेतृत्व विकास और कौशल निर्माण की संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। चौथा दिन-प्रदर्शन प्रबंधन और इनाम प्रणाली के बीच संबंध के बारे में बोलते हुए संजय दुआ, संस्थापक, दुआ ज् नॉलेज पोटली ने भूमिका स्पष्टता को महत्व देने, पुरस्कारों को नकद में बदलने में आसानी का समर्थन करने और आवृत्ति के साथ-साथ मानदंड को परिभाषित करने जैसे विभिन्न उपायों का सुझाव दिया। प्रदर्शन प्रबंधन में नैतिकता पर चर्चा करते हुए, डॉ श्यामल गोम्स ने प्रतिभागियों को नैतिक भूलभुलैया, प्रबंधकीय कदाचार और पक्षपात, सहकर्मी दबाव और कार्यस्थल की राजनीति के खिलाफ सलाह दी। इमदाद अली, चीफ एचआरएम, टाटा स्टील कलिंगनगर ने प्रदर्शन प्रबंधन के दस्तावेज़ीकरण और ऑडिटिंग और रिकॉर्ड कीपिंग में आसानी के लिए इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को कैसे डिजिटाइज़ किया गया है उसका विश्लेषण किया।

PRESS : PURVANCHAL

जेवियर समाज सेवा संस्थान में 5 दिनी कार्यक्रम संपन्न

रांची, 25 सितंबर : रणनीतिक प्रदर्शन प्रबंधन पर पांच दिवसीय एफडीपी का एक्सआईएसएस में समापन हुआ। जेवियर समाज सेवा संस्थान रांची के मानव संसाधन प्रबंधन प्रोग्राम एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के एआईसीटीई अभातशिप प्रशिक्षण एवं अधिगम अकादमी नयी दिल्ली के सहयोग से स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट परफॉर्मेंस पर 5 दिनी फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों के साथ-साथ शिक्षाविद भी वक्ताओं के रूप में शामिल हुए थे। संस्थान के निदेशक डॉ. जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने पूरे देश में विभिन्न फैकेल्टी दक्षता और पढ़ाने की क्षमता में विकास में मदद करने के लिए एआईसीटीई अटल का आभार व्यक्त किया।

PRESS : DESHPRAN

5-Day ATAL FDP on Strategic Performance Management concludes

RANCHI: Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi and its Human Resource Management (HRM) Programmeorganized a Faculty Development Programme (FDP) on 'Strategic Performance Management' in collaboration with All India Council for Technical Education (AICTE) under its AICTE Training & Learning (ATAL) Academy, New Delhi which concluded on Saturday. The programme included various noted speakers from industry as well as academia.

MrsMamta Rani Agarwal, Adviser-1, ATAL Academy in her valedictory address to the participants said, "The pandemic has heightened and accelerated the re-skilling emergency that we are facing both in the corporate world and in academics. Learning itself is a skill and structured learning is a long term driver of career success. Each of us should become intentional learners to grow and drive a sustainable mindset."

On the concluding day of the FDP, DrKamakshi Raman, Executive Director, MTL, SAIL, Ranchi while shedding light on the Role HR Professionals in of Performance Management stressed on the importance of ensuring effective linkages between employee performance and organizational priorities.

Earlier in his keynote address, Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director, XISS had expressed his gratitude to AICTE-ATAL for helping faculty members from all over the country in improving their efficiency and delivery. AICTE has been successful in bringing structural changes to technical education by fostering research and innovation and many have benefitted from it. The goal of the FDP is to sync theory to practical application, solve the quality crisis in business, ensuring accountability, and promoting long term growth through strategic performance management,he had stated. The technical sessions for the day were concluded by DrRamakant Agrawal, HoP, HRM, XISS, with a brief and feedback sessions. The informative 5-day long ATAL FDP came to an end with a vote of thanks from Dr Pradeep Kerketta SJ, Assistant Director, XISS.The FDP was coordinated by Prof Shyamal Gomes, XISS along with participation from faculty of XISS and participants from across the country.

Snippets of the 5-day XISS ATAL FDP:

Day 1:Prof Mary Bodra, Associate Professor, HRM XISS, highlighted the importance Strategic Performance Management within the current environment of change.

Dr. Shyamal Gomes, Professor, HRM XISS, and Coordinator ATAL-FDP emphasized how performance management refocuses our efforts away from being busy toward being effective and shifts our focus on achieving results for customers both inside and outside the organization.

Day 2: Prof Mary Sheila Bodra, Associate Professor, HRM Programme, discussed that the modern appraisal practices have seen a remarkable shift towards compatibility with organizational context.

Prof Kumar Mohit Spring, Associate Professor, HRM Programme , XISS stressed on the inclusion of constructive feedback in order to promote motivation and how to adjust performance in order to get the desired organizational standards.

Mr. Musssarat Hussain, Head Leadership & Functional School, Maruti Suzuki India Limited on Performance Monitoring, Coaching, and Counseling stated that "At Maruti, with respect to strategic performance management, we believe in building talent rather than buying talent, this is what sets us apart from our competitors,"

Day 3: Conducting a session on Performance Managing in Stress Situations, Mr. Imdad Ali, Chief HRM, Tata Steel Kalinganagar, spoke about performance management during the pandemic, a previously inexperiencedchallenge for modern day managers.

DrRatna Sinha, VP HRM, Tata Metaliks enlightened the audience with Performance Managing Systems in the environment of Digitization of HR. "Vulnerability is very important to not be complacent being at senior positions", she emphasized.

In another session, conducted by Mr. Mussarat Hussain, Head Leadership & Functional School, the focus was on fostering a culture of innovation, employee engagement, knowledge management, leadership development, and skill building to lead an organization on the path of growth.

Day 4: Speaking about the linkage between performance management and reward system, Mr Sanjay Dua, Founder, DUA's Knowledge Potli, suggested various measures such as giving importance to role clarity, supporting ease of conversion of the awards into cash, and defining the frequency as well criteria for the awards.

Taking the discussion towards Ethics in Performance Management, Dr Shyamal Gomes, Professor, HRM Programme, XISS AND Coordinator of the FDP advised the audience against moral maze, managerial malpractices and favoritism, peer pressure, and workplace politics.

Mr. Imdad Ali, Chief HRM, Tata Steel Kalinganagar, also conducted another session on the documentation and auditing of performance management and how this crucial process has been digitized for ease of recordkeeping.

MORNING INDIA
Sun, 26 September 2021
https://epaper.sanmarglive.com/c/63364870

PRESS : MORNING INDIA

सीखना अपने आप में एक कौशलः ममता रानी

एक्सआइएसएस में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महामारी ने कौशल आपातकाल को बढ़ा दिया है जिसका कॉरपोरेट जगत और शिक्षाविद दोनों सामना कर रहे हैं। सीखना अपने आप में एक कौशल है और संरचित शिक्षा करियर की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। शनिवार को ये बातें अटल अकादमी की सलाहकार ममता रानी अग्रवाल ने कहीं। वे एक्सआइएसएस में आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन कार्यक्रम में बोल रही थीं। इसका विषय रणनीतिक प्रबंध प्रदर्शन था। वहीं, कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान एक्सआइएसएस के डायरेक्टर डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने देश में विभिन्न फैकल्टी की दक्षता और पढ़ाने की क्षमता के विकास में मदद करने के लिए एआइसीटीइ-अटल का आभार व्यक्त किया। डॉ कुजूर ने कहा था कि एआइसीटीइ अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर तकनीकी शिक्षा में संरचनात्मक परिवर्तन ला रहा है और अटल द्वारा आयोजित इन विभिन्न एफडीपी के माध्यम से देश भर में अब तक लगभग 30,000 रिसोर्स पर्सन्स लाभान्वित हुए हैं। कार्यक्रम का समापन एक्सआइएसएस के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

PRESS : AZAD SIPAHI

5-Day ATAL FDP on Strategic Performance Management concludes at XISS

Ranchi: Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi and its Human Resource Management (HRM) Programme organised a Faculty Development Programme (FDP) on 'Strategic Performance Management' in collaboration with All India Council for Technical Education (AICTE) under its AICTE Training & Learning (ATAL) Academy, New Delhi which concluded on Saturday. The programme included various noted speakers from industry as well as academia.

Mamta Rani Agarwal, Adviser-1, ATAL Academy in her valedictory address to the participants said, "The pandemic has heightened and accelerated the re-skilling emergency that we are facing both in the corporate world and in academics. Learning itself is a skill and structured learning is a long term driver of career success. Each of us should become intentional learners to grow and drive a sustainable mindset."

On the concluding day of the FDP, Dr Kamakshi Raman, Executive Director, MTL, SAIL, Ranchi while shedding light on the Role HR Professionals in of Performance Management stressed on the importance of ensuring effective linkages between employee performance and organisational priorities.

Earlier in his keynote address, Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director, XISS had expressed his gratitude to AICTE-ATAL for helping faculty members from all over the country in improving their efficiency and delivery. AICTE has been successful in bringing structural changes to technical education by fostering research and innovation and many have benefitted from it. The goal of the FDP is to sync theory to practical application, solve the quality crisis in business, ensuring accountability, and promoting long term growth through strategic performance management, he had stated.

The technical sessions for the day were concluded by Dr Ramakant Agrawal, HoP, HRM, XISS, with a brief and feedback sessions. The informative 5-day long ATAL FDP came to an end with a vote of thanks from Dr Pradeep Kerketta SJ, Assistant Director, XISS. The FDP was coordinated by Prof Shyamal Gomes, XISS along with participation from faculty of XISS and participants from across the country.

On Day 1, Prof Mary Bodra, Associate Professor, HRM XISS, highlighted the importance Strategic Performance Management within the current environment of change.

Dr Shyamal Gomes, Professor, HRM XISS, and Coordinator ATAL-FDP emphasized how performance management refocuses our efforts away from being busy toward being effective and shifts our focus on achieving results for customers both inside and outside the organisation.

On Day 2, Prof Mary Sheila Bodra, Associate Professor, HRM Programme, discussed that the modern appraisal practices have seen a remarkable shift towards compatibility with organizational context. Prof Kumar Mohit Spring, Associate Professor, HRM Programme , XISS stressed on the inclusion of constructive feedback in order to promote motivation and how to adjust performance in order to get the desired organizational standards.

On Day 3, conducting a session on Performance Managing in Stress Situations, Imdad Ali, Chief HRM, Tata Steel Kalinganagar, spoke about performance management during the pandemic, a previously inexperienced challenge for modern day managers. Dr Ratna Sinha, VP HRM, Tata Metaliks enlightened the audience with Performance Managing Systems in the environment of Digitisation of HR.

"Vulnerability is very important to not be complacent being at senior positions", she emphasised.

On Day 4, Speaking about the linkage between performance management and reward system, Sanjay Dua, Founder, DUA's Knowledge Potli, suggested various measures such as giving importance to role clarity, supporting ease of conversion of the awards into cash, and defining the frequency as well criteria for the awards. ***PNS***

PRESS : PIONEER